लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

आचार्य महाश्रमण की अहिंसा यात्रा से देश के सभी राज्यों के साथ अन्य देशों में भी अहिंसा का संदेश प्रसारित होगा: लोक सभा अध्यक्ष/ ACHARYA MAHASHRAMAN'S AHIMSA YATRA WILL SPREAD THE MESSAGE OF NON-VIOLENCE IN INDIA AND OTHER COUNTRIES: SPEAKER OF LOK SABHA

…

जैन धर्म एक विचार है जो त्याग, सेवा और समर्पण से मानव उत्थान को समर्पित है: लोक सभा अध्यक्ष ।/ JAINISM IS AN IDEA DEDICATED TO HUMAN UPLIFTMENT THROUGH RENUNCIATION, SERVICE AND DEDICATION: LOK SABHA SPEAKER

…

लोक सभा अध्यक्ष ने आचार्य महाश्रमण जी की सात वर्षीय अहिंसा यात्रा के समापन के दौरान विशिष्ट्जनों को सम्बोधित किया।/ LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES DIGNITARIES DURING THE CONCLUSION OF THE SEVEN-YEAR AHIMSA YATRA OF ACHARYA MAHASHRAMAN JI.

नई दिल्ली, 27 मार्च 2022 : लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज तेरापंथ समाज के प्रमुख आचार्य महाश्रमण जी की सात वर्षीय अहिंसा यात्रा के समापन के दौरान विशिष्ट्जनों को सम्बोधित किया।

यह स्मरण करते हुए कि सात साल पहले आचार्यश्री के नेतृत्व में लाल किले से ही यह महान अहिंसा यात्रा आरम्भ हुई थी, श्री बिरला ने कहा कि आचार्य श्री का सम्पूर्ण व्यक्तित्व प्रेरणादायी है जिससे लाखों लोगों को दिशा मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी

शिक्षाओं का प्रकाश चारों और फैलेगा और लोग उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे।

यह विचार व्यक्त करते हुए कि आचार्य महाश्रमण की इस ऐतिहासिक यात्रा से देश के सभी राज्यों के साथ अन्य देशों में भी अहिंसा का संदेश प्रसारित हुआ है, श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से विश्व में सदाचार, नैतिकता, सद्भावना और नशामुक्ति जैसे सदविचारों को प्रधानता मिलेगी। श्री बिरला ने कहा कि इस दौरान आचार्य जी ने भारत के विविध राज्यों, शहरों और कस्बों का भ्रमण किया और विविध सांस्कृतिक धाराओं और सामजिक वैविध्य को जोड़ मानवता के कल्याण के लिए मार्ग दिखाया ।

आचार्य महाश्रमण को नमन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भगवान आदिनाथ, पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचकर उन्होंने सम्पूर्ण जनमानस के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने उग्रवाद और हिंसा से ग्रस्त स्थानों का व्यापक भ्रमण किया और अहिंसा और नशामुक्ति के सन्देश द्वारा लोगों के बीच आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया। यह आचार्य श्री का आशीर्वाद ही था कि लोगों ने भारी संख्या में नशामुक्ति का प्रण लिया। श्री बिरला ने कहा कि आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ के विचार और सिद्धांत लोगों को तक पहुँचाने में आचार्य महाश्रमण का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और समाज इसके लिए उनका अनुग्रहित रहेगा ।

जैन धर्म के जनकल्याणकारी और अहिंसा से ओतप्रोत स्वरुप का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि जैन धर्म एक विचार है जो त्याग, सेवा और समर्पण से मानव उत्थान को समर्पित है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म व्यक्ति को स्वयं पर नियंत्रण कर संयमित जीवन का मार्ग दिखाता है जिसमे समाज कल्याण निहित है।

इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अन्य गणमान्य लोगो ने अपने विचार रखे।

New Delhi, March 27, 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today addressed the dignitaries during the conclusion of the seven-year old Ahimsa Yatra of Terapanth Samaj chief Acharya Mahashraman ji.

Recalling that this great Ahimsa Yatra began seven years ago from the Red Fort under the leadership of Acharya Mahashraman ji, Shri Birla said that the personality of Acharya Shri is inspiring, which has given direction to lakhs of people. He hoped that the light of his teachings would spread all around and people would imbibe his spiritual guidance in their lives.

Expressing the view that this historic visit of Acharya Mahashraman would spread the message of non-violence in India and other countries, Shri Birla said that Acharya Mahashraman's journey has established the primacy of virtues of morality, goodwill and de-addiction in the world. Shri Birla further said that during this Yatra, Acharya ji visited various States, cities and towns of India and gave the message of non-violence for the welfare of humanity by connecting diverse cultural streams and social diversity.

Saluting Acharya Mahashraman, Shri Birla said that by disseminating the teachings of Bhagwan Adinath, Parshvanath and Mahavir Swami among the people, he has contributed significantly towards the upliftment of the humanity. He traveled extensively to places prone to extremism and violence and spread spiritual consciousness among the people through the message of non-violence and de-addiction. It was only because of his blessings that people took the pledge of de-addiction in large numbers. Shri Birla said that Acharya Mahashraman has made an important contribution in taking the thoughts and principles of Acharya Tulsi and Acharya Mahapragya to the people and the society will remain grateful to him for this.

Referring to the welfare-oriented and non-violent nature of Jainism, Shri Birla expressed the view that Jainism is an idea which is dedicated to human upliftment through renunciation, service and dedication. He said that Jainism shows the path of disciplined life, in which social welfare is inherent.

Many Union Ministers, Chief Ministers and other dignitaries also spoke on this occasion.